

प्रातःकिरण

f /Pratahkiran

t /Pratahkiran

/Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 रोहित शर्मा बनाएंगे विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा रन ...

वर्ष : 11

अंक : 107

पटना, रविवार, 27 अगस्त, 2023

विक्रम संवत् 2080

पेज : 12

मूल्य ₹ : 03.00

www.pratahkiran.com



चंद्रयान-3 के बाद इसरो की नजरें अब आदित्य-एल1 का प्रक्षेपण करने पर

प्रातः किरण

बैंगलुरु/एंजेसी। चंद्रयान-3 अधियान के सफल रहने के बाद, सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अब एक हफ्ते के अंदर आदित्य-एल1 सौर मिशन भेजने की तैयारियों में जुट गया है। आदित्य-एल1 मिशन को दो सितंबर को भेजे जाने की साथाभावा में है। इस अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना (सूर्य की सबसे बाहरी परत) के दूर्यश्य अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लांग्रेज बिंदु) पर सौर वायु के व्यासिति अवलोकन के लिए तैयार किया गया है। एल1 पृथ्वी से करीबी की भागीदारी है। बैंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स की उपलब्ध एस्ट्रोफिजिक्स लाइन कार्यालय पेलोड के विकास में अहम भूमिका है, जबकि पुणे के इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फार एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स ने मिशन के लिए सोलर अल्ट्रावालेट इमेजर पेलोडविकियस की स्थिति इसरो के अंतरिक्ष केंद्र पर लाया गया है। इसरो के अंतरिक्ष केंद्र ने कहा, प्रक्षेपण दो सितंबर को होने की अधिक संभावना। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी लांग्रेज बिंदु की एल1 होने कक्षा के उपयोग करके सौर ब्रोमोस्फेर पर परतों का अवलोकन कर सकता है। यह अंतरिक्ष यान सात पेलोड



डिटेक्टर और मैग्नेटोमीटर पेलोड आवेशित करने के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं। उपग्रह को दो दो समान पहरी आंप्रेस्ट्रेशन के श्रीहरिकियम लैंडिंग पर लाया गया है। इसरो के अंतरिक्ष केंद्र ने कहा, प्रक्षेपण दो सितंबर को होने की अधिक संभावना। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी लांग्रेज बिंदु की एल1 होने कक्षा के उपयोग करके सौर ब्रोमोस्फेर पर परतों का अवलोकन कर सकता है। पार्टिकल

चंद्रयान-3 मिशन: प्रज्ञान रोवर ने शिव शक्ति प्लाइंट पर की सैर

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुवृत्तान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि प्रज्ञान रोवर दक्षिणी ध्रुव पर चंद्र रहस्यों की खोज में शिव शक्ति प्लाइंट के आसपास धूम रहा है। आज ही प्रधानमंत्री ने बैंगलुरु में विक्रम लैंडर के बांद की साथ पर लैंड होने वाले रसायन को शिव शक्ति प्लाइंट नाम दिया है। इससे पहले शुक्रवार को प्रज्ञान रोवर के बांद की साथ पर आठ मीटर की सैर की थी। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त को बांद की साथ पर एसॉफ्ट लैंडिंग की थी। साथ पर जानकारी जुटाने के लिए प्रज्ञान रोवर के दो पेलोड और विक्रम लैंडर के तीन पेलोड संक्रिय हैं। रोवर 23 तारीख से अंगत छोड़ दिया गया है।

पास स्थापित करने की योजना है। इसरो ने कहा कि एल1 बिंदु के आसपास होने के इसरो के आईएसटीआरएसी के मिशन संचालन परिसर में पहुंचकर वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के लिए इसरो प्रभुत्व एस सोमात्रा में प्रधानमंत्री का आधार जयता है। इसरो प्रमुख एस सोमात्रा में गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव का पता करते हुए कहा कि वे इस ऐतिहासिक घटना को लैंडिंग के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नेरेन्द्र मोदी ने वैज्ञानिकों के लिए अधिक स्थलों का नामकरण जानकार बहुत खुशी का दर्द। यह वैज्ञानिकों को प्रेरित करने वाला कदम है। एस सोमात्रा ने कहा कि इसरो भारतीय वैज्ञानिक सम्मान और प्रोत्साहन के लिए सरगाना, अटट शब्द सर्वथा ने लैंडिंग के बाद शनिवार को वैज्ञानिकों के लिए एक अधिक स्थल विकास की है। इसरो प्रमुख एस सोमात्रा में प्रधानमंत्री का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस ऐतिहासिक घटना को लैंडिंग के बाद वैज्ञानिकों के लिए एनएसिरे से डूब गया है।

आधार : चंद्रयान 3 की सफलता के पास शनिवार को वैज्ञानिकों के लिए एक अधिक स्थलों का नामकरण जानकार बहुत खुशी का दर्द। यह वैज्ञानिकों को प्रेरित करने वाला कदम है। एस सोमात्रा ने कहा कि इसरो भारतीय वैज्ञानिक सम्मान और प्रोत्साहन के लिए सरगाना, अटट शब्द सर्वथा ने लैंडिंग के बाद शनिवार को वैज्ञानिकों के लिए एक अधिक स्थल विकास की है। इसरो प्रमुख एस सोमात्रा में प्रधानमंत्री का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस ऐतिहासिक घटना को लैंडिंग के बाद वैज्ञानिकों के लिए एनएसिरे से डूब गया है।

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के लिए इसरो वैज्ञानिकों को पीएम ने दी शुभकामनाएं

2047 में विकसित भारत का सपना साकार होगा : मोदी

पीएम बोलें-देश का अंतरिक्ष उद्योग कुछ वर्षों में 16 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा



प्रातः किरण

बैंगलुरु/एंजेसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारतीय अंतरिक्ष उद्योग की प्रगति को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के बाद वैज्ञानिकों के अंतरिक्ष उद्योग को अंगठी ठोक करते हुए जागतिक विदेशों के अंतरिक्ष यान को कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों को अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत की नवप्रवर्तन की भावना 2047 में एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करेंगी। श्री मोदी ने यूनान से लौटने के

संसेक्ष
64794.93 पर बंद
निपटी
19243.00 पर बंद

ब्यूपार

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी, सोना फिर 59 हजार के करीब पहुंचा

**चांदी 3 हजार रुपए
से ज्यादा चढ़ी**

नई दिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बॉलिंग एंड जैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्सफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत यानी 21 अगस्त को सोना 59,435 रुपए पर था, जो अब, यानी 26 अगस्त को 58,720 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 425 रुपए की तेजी आई है।

चांदी भी डेढ़ हजार से ज्यादा फिसली

आइवीजे ए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 3 हजार रुपए से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 70,484 रुपए पर थी, जो अब 73,695 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 3,211 रुपए बढ़ी है।



दो साल में 27 प्रतिशत रिटर्न दे सकता है सोना

केडिया एडवायरिंग के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हक्की रहत के बाद एक बार फिर महानगर बढ़ने लगी है। इसे कम

करने के लिए अमेरिका और यूरोप में व्यापार दर्द बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेराव बाजार तेजी के साथ रिकॉर्ड-तोड़े के बाद मुनाफा बहसफली के दबाव में रहता है। इससे सोने में निवेश की जमीन तेवर हो रही है। दो साल में यह 27 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है।

वित मंत्री भारत पहुंची, ब्रिटेन की व्यापार मंत्री बैडेनॉख से मिलीं, निवेश व एफटीए पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वित मंत्रालय ने एक्स (टिवटर) पर कहा, -वित मंत्री निर्वाला सोताराम और व्यापार मंत्री निर्वाला सोताराम और व्यापार मंत्री को ब्रिटेन की व्यापार मंत्री बैडेनॉख से मिलीं। दोनों नेताओं ने मुलाकात के दौरान दिप्शराही निवेश और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की। वित मंत्रालय ने एक्स (टिवटर) पर कहा, वित मंत्री निर्वाला सोताराम और व्यापार मंत्री को आदान-प्रदान किया। इस दौरान भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता और भारत-ब्रिटेन की अधिक व्यापार को जल्द नीति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जारी रखी।-

रियल एस्टेट कंपनी का हाल खराब, कंट्री गार्डन ने 7.6 अरब डॉलर के नुकसान के साथ त्रैण चूक का अंदेशा जताया



नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल जनवरी से जन छामाही में कंट्री गार्डेन लगभग 1.9 बिलियन युआन (264 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का लाभ हुआ था। इस खुलासे ने कंट्री गार्डेन के वित्तीय संकट को उजागर किया है, जो चौथे में सालाना सेकंडों हजारों घर तेवर करने वाला एक बड़ा बिल्डर है। चौथे के सबसे बड़े संस्थानों में से एक कंट्री गार्डेन ने कहा है कि इस साल की पहली छामाही में उसे 7.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। मैटिया रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है। कंट्री गार्डेन ने शेकावांग स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में निवेशकों को चेतावनी दी कि जन तक छह महीनों में 45 बिलियन से 55 बिलियन चौथी युआन (लगभग 6.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का नुकसान दर्ज करने की संभावना है। इसके साल की समान अवधि में कंट्री गार्डेन के वित्तीय संकट को उजागर किया है, जो चौथे में सालाना सेकंडों हजारों घर तेवर करने वाला एक बड़ा बिल्डर है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,049.96 लाख सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रतिशत स्थलों पर बढ़ाया गया है।

आध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछले के बाबजूद चालू खरीफ सत्र में अब तक धन की फसल का फसल का रकबा 4.4 प्रतिशत बढ़कर 384.05 लाख हेक्टेयर हो गया। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को जीवी अंकड़ों में यह जानकारी दी। हालांकि, 25 अगस्त को दलहन का रकबा 25 अगस्त तक 1,053.59 लाख हेक्टेयर से अधिक था, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,04

